




रयत शिक्षण संस्था संचलित ,
डी.पी.भोसले कॉलेज कोरेगांव
हिंदी विभाग

भित्तिपत्रिका इतिवृत्त

शै.वर्ष २०२१-२२

शै.वर्ष २०२१-२२ वर्ष में हिंदी विभाग की ओर से २६ जनवरी के उपलक्ष्य में 'आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय साहित्यकारों के हिंदी विचार' इस विषय पर 'सृजन' भित्तिपत्रिका का आयोजन किया गया था. इसमें भारत के विविध हिंदी साहित्यकारों एवं महापुरुषों के हिंदी विचारों का प्रकाशन किया गया. इन साहित्यकारों एवं महापुरुषों में म.गाँधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, भगतसिंग, पं. जवाहरलाल नेहरू, दयानंद सरस्वती, मुंशी. प्रेमचंद, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, कवि प्रदीप, रविंद्रनाथ टैगोर, गीतकार गुलजार, काकासाहब कालेलकर, मै. गुप्त आदि के विचार प्रकाशित किए गए. इस भित्तिपत्रिका का प्रकाशन हमारे महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, डॉ. विजयसिंह सावंत जी के शुभ हाथों से किया गया. इस शुभ अवसर पर महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष श्रीमति आर. के. मुल्ला, हिंदी विभाग के अन्य अध्यापक और छात्र उपस्थित थे. कु. पूजा माने और उमेश चव्हाण ने भित्तिपत्रिका का प्रस्तुतीकरण किया. इस तरह २६ जनवरी, २०२२ को 'सृजन' हिंदी भित्तिपत्रिका का प्रकाशन कार्य संपन्न हुआ.


विभाग प्रमुख,
हिंदी विभाग
डी. पी. भोसले कॉलेज, कोरेगांव


प्राचार्य,
डी. पी. भोसले कॉलेज कोरेगांव
जि. सातारा.

आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय
साहित्यकारों के हिंदी विचार

सृजन भित्तिपत्रिका विशेषांक

विमोचक - प्रधानाचार्य डा.विजयसिंह सावंत

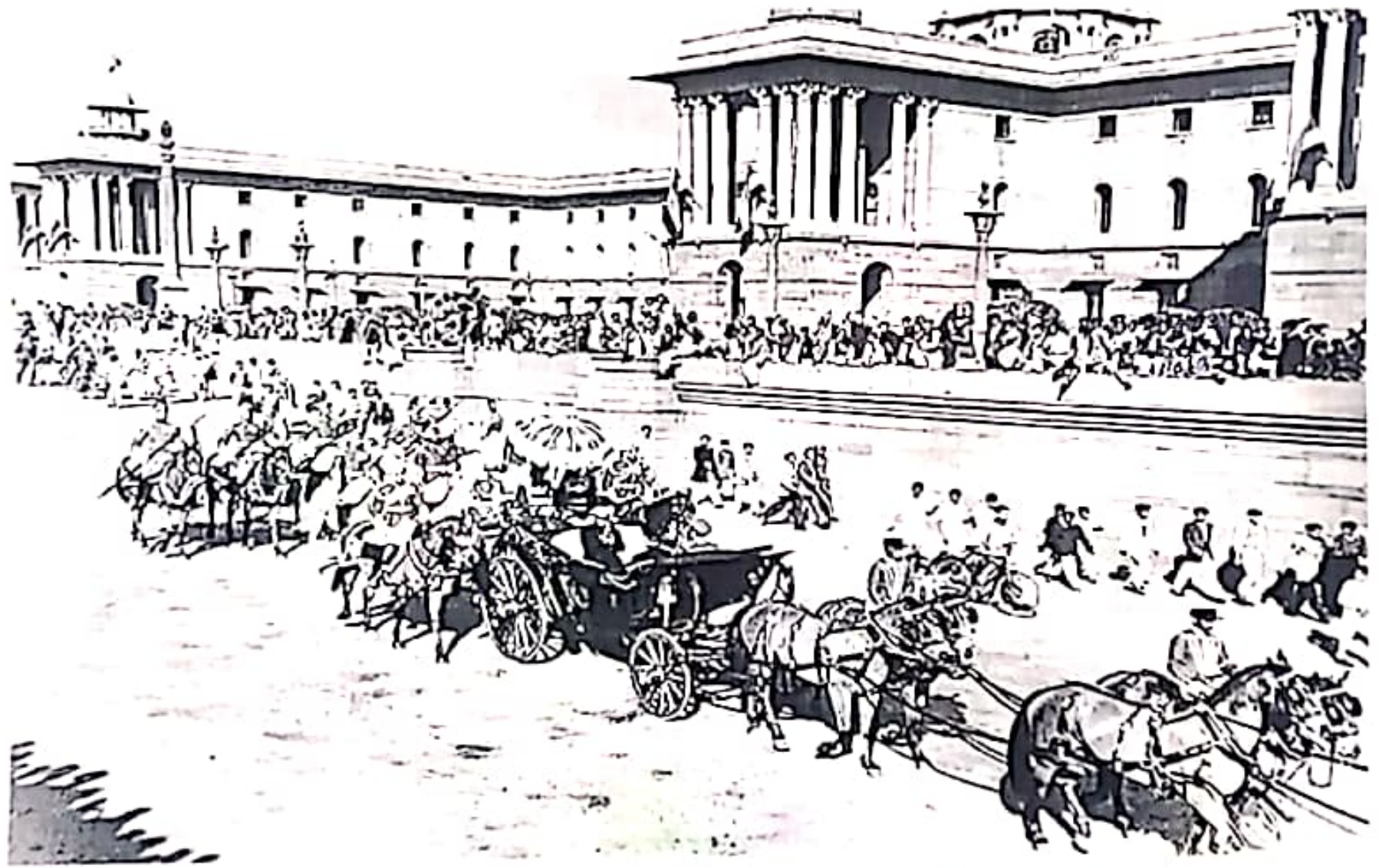
चेअरमन - डा देवानंद सोनटक्के

विभागाध्यक्ष - प्रा श्रीमती राबन मुल्ला

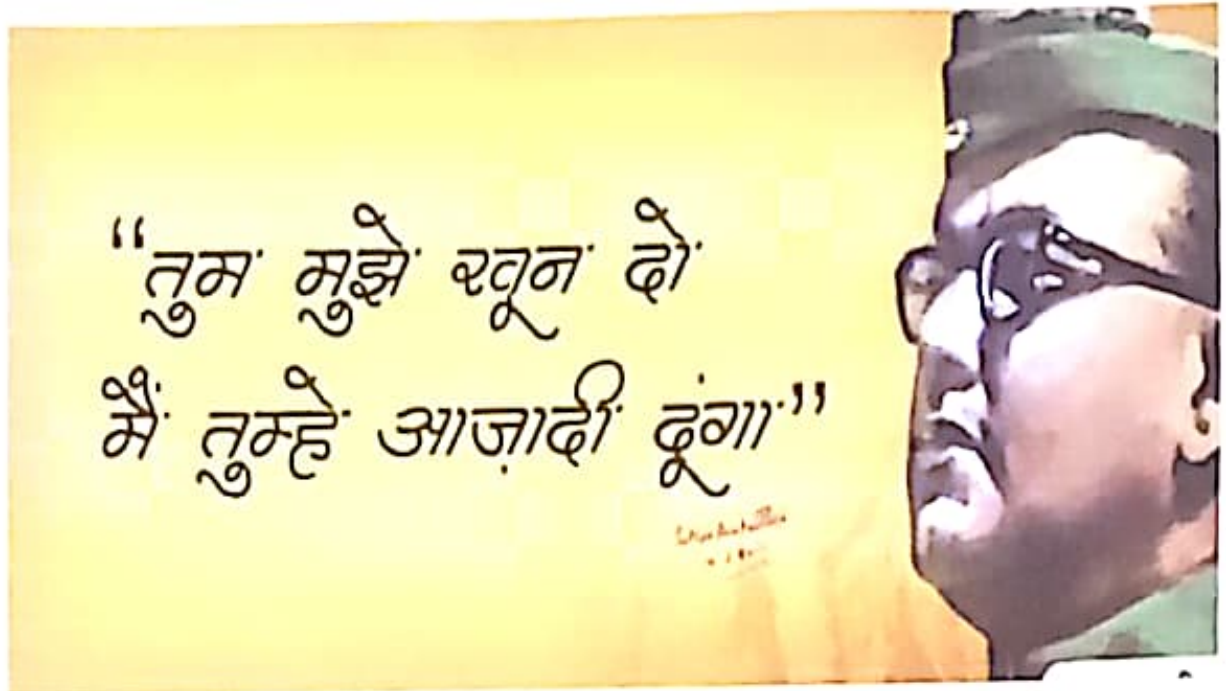
सदस्य - डा महेश बनकर

सदस्य - डा शिराज शेख

सदस्य - वी ए भाग 3 के सभी छात्र



राजपथ पर प्रथम गणतंत्र समारोह में सम्मिलित होने (छोड़े की बग्गी में) जाते देशोप्रेथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद



आजादी का कोई अर्थ नहीं है
यदि इसमें गलतियां करने की
आजादी शामिल न हों।

-महात्मा गांधी

अमरउजाला

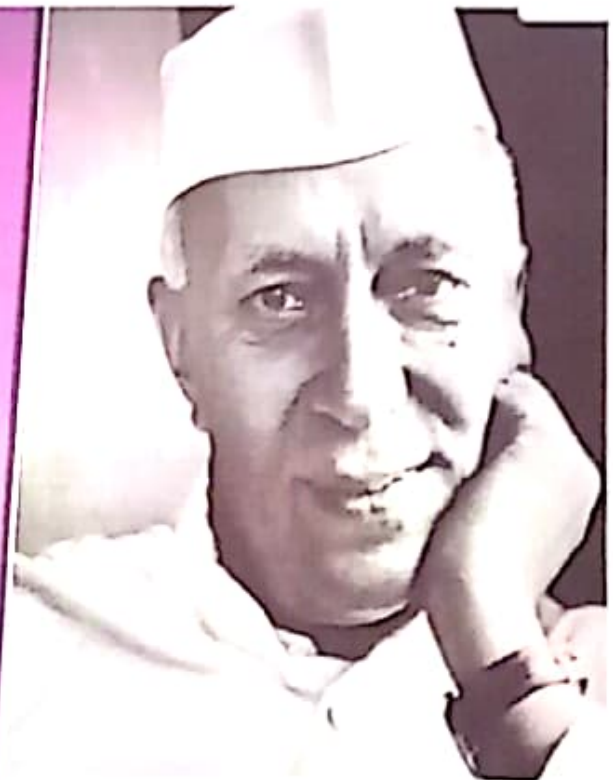


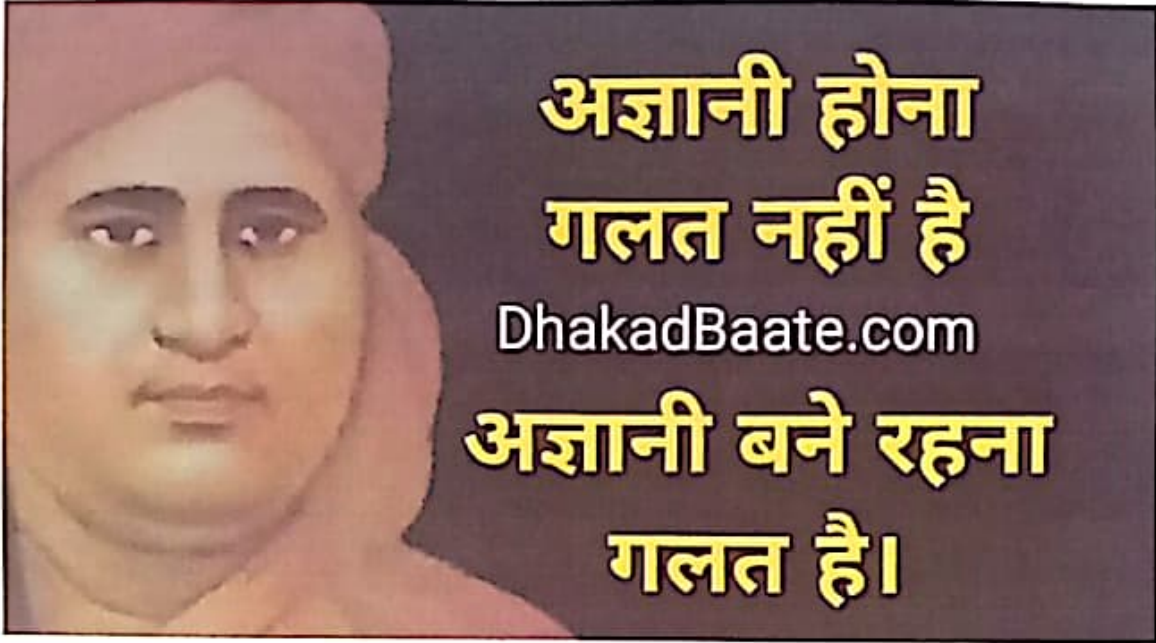
“अपनी आज़ादी को हम
हरगिज़ मिटा सकते नहीं
सर कटा सकते हैं लेकिन
सर झुका सकते नहीं”

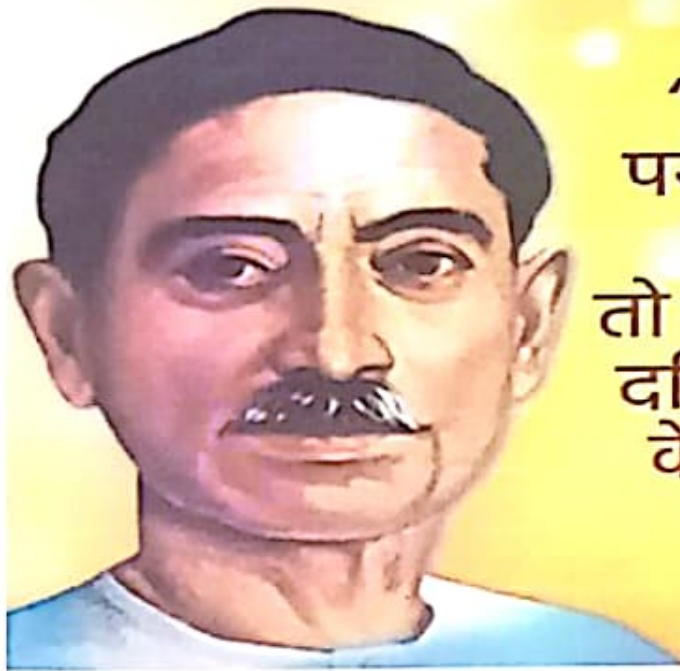
HindiSoch.Com

“हम वास्तविकता में क्या हैं
यह अधिक मायने रखता है,
बजाय इसके कि लोग
हमारे बारे में क्या सोचते हैं।”

पंडित जवाहरलाल नेहरू



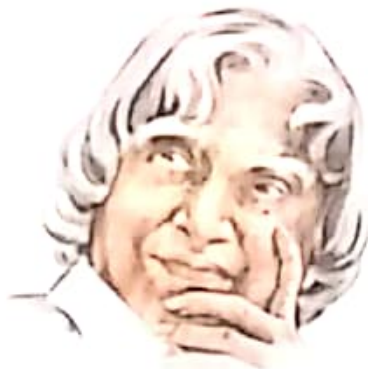




“किसी किशती
पर अगर फर्ज़ का
मल्लाह न हो
तो फिर उसके लिए
दरिया में डूब जाने
के सिवाय कोई
चारा नहीं।”
-मुंशी प्रेमचंद

भारत का वीर जवान हूँ मैं,
ना हिन्दू, ना मुसलमान हूँ मैं,
जख्मों से भरा सीना है मगर,
दुश्मन के लिए चट्टान हूँ मैं,
भारत का वीर जवान हूँ मैं.

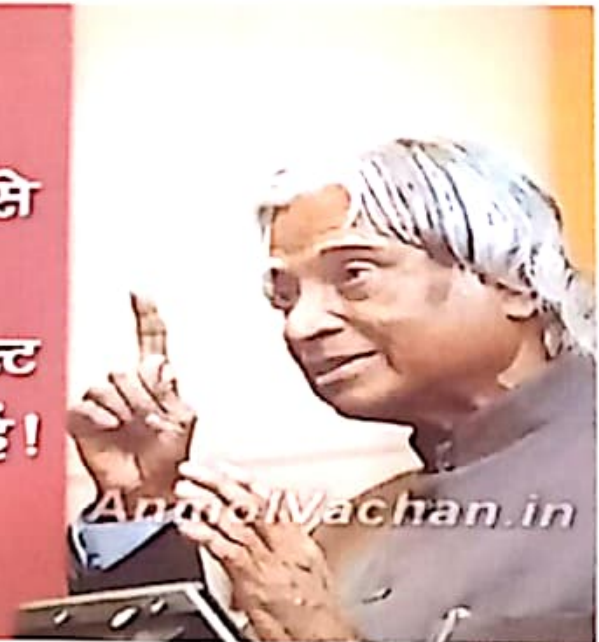





कमाल का कलाम

मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके
सपनों में जान होती है
पंखों से कुछ नहीं होता है मेरे दोस्त
हौसलों से उड़ान होती है.....

इस देश के सबसे
अच्छे दिमाग....
क्लास की लास्ट
बेंच पर मिल सकते हैं!

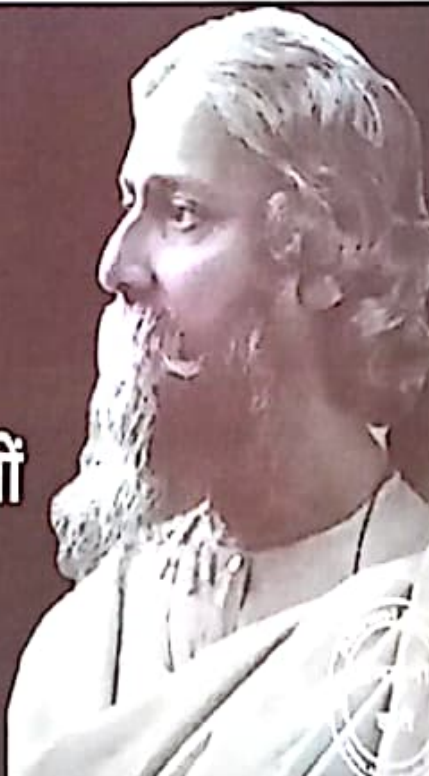




**इंसान का इंसान
से हो भाईचारा
यही पैगाम हमारा**

कवि प्रदीप

[/amarujalakavya](#)



**एक इन्सान का जीवन उस
महानदी की तरह होता है,
जो अपने बहाव से नवीन दिशाओं
में भी अपना राह बना लेता है**

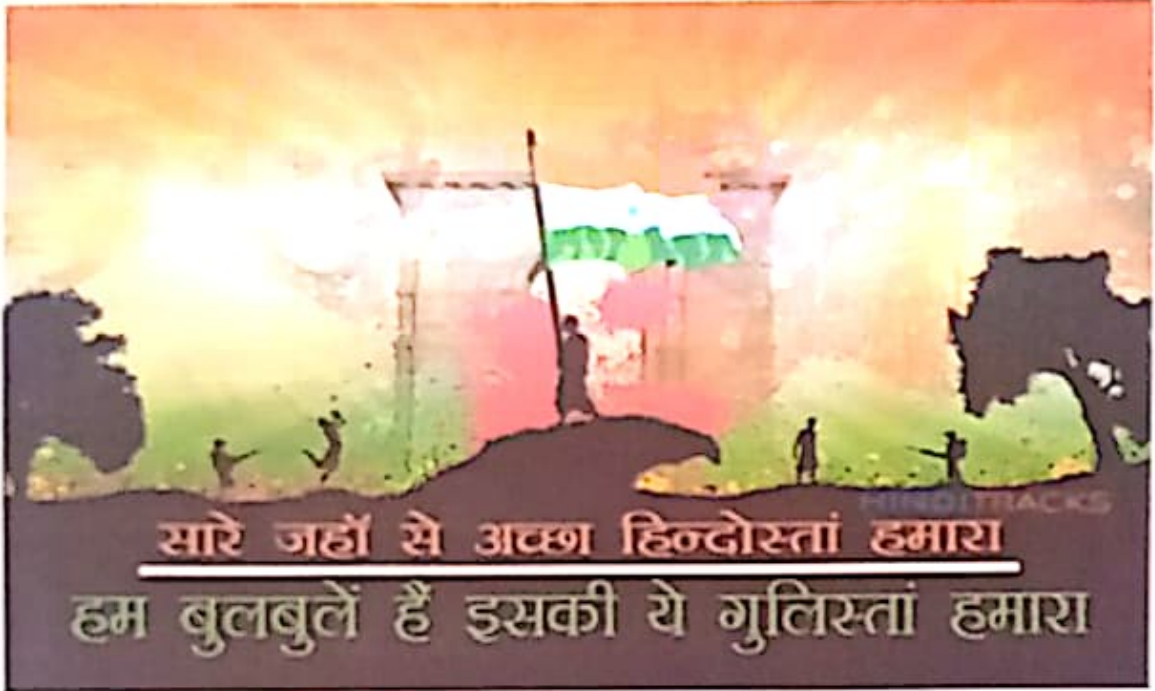
रवीन्द्रनाथ टैगोर



गणतंत्र दिवस

के अवसर पर सभी देशवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं।

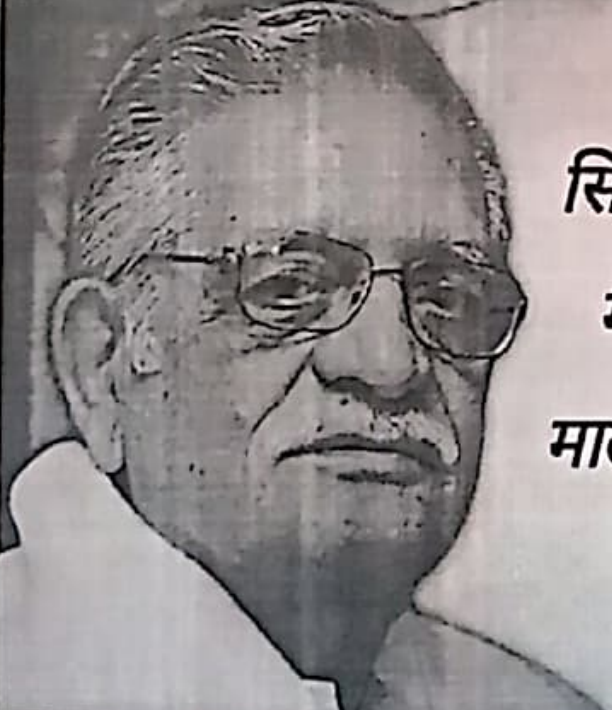







ये सिर्फ तीन रंग नही
ये देश की शान है,
ये तिरंगा हमारे
दिलों का स्वाभिमान है,
यही है गंगा यही है हिमालय
यही हमारी जान है,
तीन रंगों में रंगा ये अपना
प्यारा हिन्दुस्तान है।

www.hindihainhum.co.in



सिर्फ गुलाब देने से अगर
मोहब्बत हो जाती तो
माली पूरे शहर का महबूब
होता। 

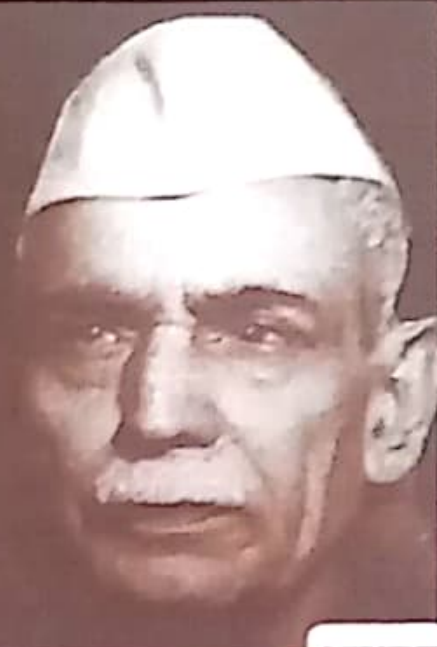
R
Rajasthan Sahitya Akademi

काका कालेलकर



बच्चो आओ अब हम राष्ट्रभाषा हिंदी के एक महान प्रचारक के बारे में जानते हैं। दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर जिन्हें काका कालेलकर के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म 1 दिसंबर, 1885 को महाराष्ट्र के सतारा नगर में हुआ। गाँधी जी के निकटतम सहयोगी होने के कारण ही वे काका के नाम से जाने गए। काका भारत के प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री, पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी थे। काका ने फर्ग्यूसन कॉलेज, पूणे में शिक्षा प्राप्त की उन्होंने शिक्षक के रूप में अपना जीवन आरंभ किया। 1915 में इनकी भेंट गाँधी जी से हुई और इसके बाद इन्होंने गाँधी जी के सभी आंदोलनों में भाग लिया।

मुझे तोड़ लेना बनमाली
उस पथ पर देना तुम फेंक
मातृ-भूमि पर शीश-चढ़ाने
जिस पथ पर जावें वीर अनेक



" जो भय नहीं है भावों से
जिसमें बहती रसधार नहीं
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं "

- मैथिलीशरण गुप्त



रयत शिक्षण संस्था संचलित ,
डी.पी.भोसले कॉलेज कोरेगांव
हिंदी विभाग

भित्तिपत्रिका

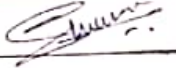
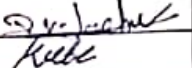
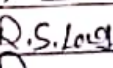

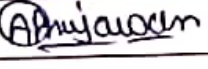
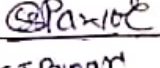
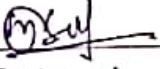
शै.वर्ष २०२१-२२

दि. २६/०९/२०२२

‘आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतीय साहित्यकारों के हिंदी विचार’



स्वत शिक्षण संस्थान द्वारा संचलित,
 डी. पी. भोसले कॉलेज, कोरेगाव
 हिंदी विभाग (२०२१-२२) उपस्थिति पत्रक
 मितिपत्रिका 26, जनवरी, 2022.

Sr.NO	Roll No.	Students Name	Email	Mo No	Sign
1	21560	Bhosale Kalyani Ananda	kalyanibhosale10jully@gmail.com	8459875006	K.A. Bhosale
2	21561	Chavan Dipali Vijay	aryandeepabhi@gmail.com	9623097838	—
3	21562	Chavan Umesh Sharad	umeshchavan5151@gmail.com	8698655730	
4	21563	Jadhav Dhiraj Vitthal	dhirajadhav5231@gmail.com	9579327084	
5	21564	Kate Aniket Anil	anikate1310@gmail.com	7709039597	
6	21565	Lagas Rahul Suresh	rahullagas0@gmail.com	7083259082	R.S. Lagas
7	21566	Mallakmir Akash Dattatray	akashmallakmir708335@gmail.com	7620359255	
8	21567	Mane Pooja Vamanrao	pujamine2903@gmail.com	7498272022	P.V. Mane
9	21568	Mujawar Aman Aslam	amanmujawar2720@gmail.com	7517819651	
10	21569	Pathan Toufik Mahamood	toufikphathan0708@gmail.com	9657083830	—
11	21570	Pawar Saurabh Sanjay	saurabhpawar8930@gmail.com	7756094974	
12	21571	Pawar Sonam Jotiram	pawarsonam9350@gmail.com	8605206848	S.J. Pawar
13	21572	Sankpal Abhishek Subhash	abhisheksankpal2002@gmail.com	7057443739	A.S. Sankpal
14	21573	Sawant Mayur Sanjay	mayur115455@gmail.com	7387859085	
15	21574	Shedge Gautami Jaywant	gautamishedge710@gmail.com	8172939495	G.S. Shedge
16	21575	Thorat Samrat Bhaskar	thoratsamrat51@gmail.com	9970266341	S.B. Thorat